ASU NEWS-LETTER

Vol. 2 No. 2 March - April 2017

Allahabad State University
CPI Campus,
Mahatma Gandhi Road,
Civil Lines,
Allahabad- 211001. U.P. India.
Website: www.alldstateuniversity.org

ADMINISTRATION:

Prof. Rajendra Prasad
Vice Chancellor
Mobile: +91-9415313714
Ph. (O) 0532- 2256206
email:
rprasad55@rediffmail.com
asuallahabad@gmail.com

Dharmendra Prakash Tripathi
Finance Officer
Mobile No.: +91- 8004915375
Ph (O): 0532- 2256222
email: financeofficer.asu@gmail.com

Sanjay Kumar
Registrar
Mobile No. +91-9415196266
Ph (O): 0532- 2256207
email: registrarasua@gmail.com

Deepti Mishra
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9452092149

कुलपति की कलम से

यह अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय स्थापना काल से लेकर अद्यतन भारतीय गति–मान्यता ''चरवैति–चरवैति'' का अनुपालन करते हुए अपने बहुमुखी विकास के पथ पर अग्रसर है। शैक्षिक, प्रशासनिक और मुख्य परिसर में नव–निर्माण की गतिविधियों और कार्यों को निरन्तर नये आयाम और आयतन प्राप्त हो रहे हैं। इस दिशा में उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ सरकार, विशेष रूप से उच्च शिक्षा विभाग, की भूमिका अत्यन्त सराहनीय है।

सत्र 2016–17 के दौरान राज्य विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर में संचालित विभिन्न स्नातकोत्तर कक्षाओं की परीक्षाओं के साथ–साथ इलाहाबाद मण्डल में स्थित और राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 448 महाविद्यालयों की परीक्षायें घोषित परीक्षा कार्यक्रम के अनुरूप संचालित की जा रही हैं। परीक्षाओं को शुचितापूर्ण और नकलविहीन कराये जाने के लिए समुचित कदम उठाये गये हैं। राजभवन और राज्य सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुक्रम में परीक्षा केन्द्रों/नोडल केन्द्रों पर सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगाने की कार्यवाही का कड़ाई से पालन कराया जा रहा है। सचल दलों को मोबाइल फोन आधारित जी0पी0एस0 प्रणाली से लैस किया गया है, जिससे केन्द्रवार सटीक पहुँच और निगरानी सुनिश्चित की जा सके। परीक्षाओं के साथ–साथ मूल्यांकन कार्य भी प्रारम्भ हो चुका है, जिससे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 'परीक्षा परिणाम' घोषित हो जाय।

पूर्व की भाँति शैक्षिक और बौद्धिक स्पंदन का मार्ग प्रशस्त करते हुए राज्य विश्वविद्यालय ने 'भारतीय सामाजिक विज्ञान शोध परिषद', नई दिल्ली की आर्थिक सहायता और एडवांस रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ सोसल साइंस, मेरठ के संयुक्त प्रयास से 26 मार्च, 2017 को 'भारत की आंतरिक सुरक्षा चुनौतियाँ'' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की थी, जिसमें देश के अनेक ख्यातिलब्ध रक्षा विशेषज्ञों, अध्येताओं और लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। 14 मार्च, 2017 को विश्वविद्यालय परिसर में बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह का आयोजन किया गया ।

परिसर के बाहर भी इस विश्वविद्यालय की सक्रियता बनी हुई है, खासतौर पर, ''टाउन और गाउन'' की उदात्त परम्परा स्थापित करने का प्रयास निरन्तर जारी है। कई महाविद्यालयों ने क्षेत्रीय और राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया है, जिससे ज्ञान–विज्ञान के सृजन, संचय और फैलाव को समृद्ध करने का सिलसिला हमें अभिनव मूल्य–बोध की ओर आकर्षित कर रहा है।

सभी दिशाओं से अच्छे विचार आयें, इस आशा और विश्वास के साथ इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की विकास यात्रा जारी है।।

शुभकामनाओं सहित,

Rprasad

प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद

ज्ञानं तेऽहं सविज्ञानमिदं वक्ष्याम्यशेषतः।
यज्ज्ञात्वा नेह भूयोऽन्यज्ज्ञातव्यमवशिष्यते।। **(7/2)**

- श्रीमद्भगवद्गीता

कुलपति द्वारा सचल दस्तों पुनर्गठन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में शुचिता और दक्षता को सुनिश्चित करते हुए कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने सचल दस्तों को भंग कर चार स्पेशल टीमें गठित की जिनका उद्देश्य क्षेत्राधिकार स्थित चारों जनपदों के परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर परीक्षाओं को शुचितापूर्ण एवं नकलविहीन सम्पन्न करायी जाये। सचल दलों के माध्यम से परीक्षाओं में जिन महाविद्यालयों की छवि अच्छी नहीं थी, उन पर विशेष निगरानी रखी गयी। सचल दलों के औचक निरीक्षण में कुल 22 महाविद्यालयों को सामूहिक नकल में आरोपित चिन्हित किया गया हैं। नवगठित सचल दस्तों को नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए कुलपति ने निर्देश दिए हैं कि संदिग्ध परीक्षा केन्द्रों पर विशेश नजर रखने के साथ ही साथ ऐसे महाविद्यालयों पर रु0 1 लाख प्रति महाविद्यालय, प्रति विषय के अनुसार अर्थ दण्ड के रूप में वसूल किया जाय जिससे कि पुर्नपरीक्षा पर आने वाले व्ययभार की पूर्ति हो सके।

विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में सभी सचल दस्तों के सदस्यों व संयोजकों की बैठक हुई और नकल पर नकेल कसने के लिए सचल दस्तों के सदस्यों और संयजकों से चर्चा की गई। वहीं पूर्व में गठित 10 टीमों के परफार्मेंस की समीक्षा कर पुनर्गठित किया गया है। इन टीमों में नये सदस्यों को शामिल किया गया है। साथ ही नये संयोजकों को टीम का नेतृत्व करने के लिए जिम्मेदारी दी गई है।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य प्रारम्भ

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में दिनांक 10 मार्च, 2017 को परीक्षा समिति की बैठक में स्नातक कक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के सम्बन्ध में यह निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय परिसर एवं विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महिला सेवा सदन महाविद्यालय में मूल्यांकन कार्य चल रहा है तथा परीक्षकों को प्रतिदिन 100 उत्तर पुस्तिकायें मूल्यांकन हेतु दी जायें। उक्त बैठक में परीक्षा समिति ने यह भी निर्णय लिया कि केन्द्रीय मूल्यांकन का कार्य मुख्य समन्वयक एवं समन्वयक के सुपरविजन में कराया जाये तथा जिन विषयों का मूल्यांकन चल रहा हो उन विषयों के पाठ्यक्रम समिति के संयोजकों को भी मूल्यांकन कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित किये जाने हेतु अवगत करा दिया जाये। कुलपति राजेन्द्र प्रसाद ने मूल्यांकन कार्य का निरीक्षण किया। मूल्यांकन से पहले कापियों की कोडिंग की जा रही है, ताकि सेंटर से किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो। अधिकांश स्नातक और परास्नातक कक्षाओं का मूल्यांकन मई के अंतिम सप्ताह तक पूरा कर लिया जाएगा। परीक्षा परिणाम जून के प्रथम सप्ताह में घोषित करने की कार्य–योजना है।

प्रायोगिक परीक्षाओं को पूर्ण कराने के लिए अनुमोदित परीक्षा सूचियाँ विषयवार जारी कर दी गयी हैं। सम्बंधित महाविद्यालयों को प्रायोगिक विषयों के अंक समय से उपलब्ध कराना है।

बाबा साहब डॉ० भीमराव अम्बेडकर जयन्ती समारोह का आयोजन

14 अप्रैल, 2017 को इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के सी0पी0आई0 कैम्पस कार्यालय में भारतरत्न बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर की 126वीं जयन्ती धूमधाम से मनायी गई। इस अवसर पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के काफी संख्या में छात्र/छात्राओं के साथ विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

इस समारोह की अध्यक्षता इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद ने की। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में प्रो0 प्रसाद ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि डॉ0 अम्बेडकर एक ऐसे महामानव थे जिन्होंने अपने सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं विधि के क्षेत्र में प्रतिपादित विचारों और कार्यों से ब्रिटिश गुलामी से मुक्त भारत और भारतीयों के कल्याण के लिए अनेक व्यावहारिक व दिशा–निर्देशक उपाय सुझाये। डॉ0 अम्बेडकर के विचार मात्र दलितों के लिए ही नहीं अपितु समाज के वंचितों, पिछड़ों, श्रमिकों और स्त्रियों आदि की दुर्दशा देखते हुए, उन्हें 'शिक्षा, संगठन और संघर्ष' का मंत्र देकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने जातिविहीन, समतामूलक दृष्टि और व्यवहार से भारतीय समाज को बदलने की आवाज बुलन्द की, किन्तु आजादी के इतने वर्षों बाद भी भारत में व्याप्त राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवेश में विषमतायें हावी हैं। विषमताओं के कारण भारत में 'समावेशी विकास' एक मृगमरीचिका बनकर रह गया है। आज के बदले हुए परिवेश में ''शिक्षित बनने, संगठित होने और संघर्ष करने'' के निहितार्थ को सही अर्थों में परिभाषित करने की आवश्यकता है। वे शिक्षा के क्षेत्र में अंग्रेजी भाषा को ''शेरनी का दूध'' सरीखा मानते थे, क्योंकि वे नहीं चाहते थे भारतीय युवक–युवतियाँ शैक्षिक प्रतिस्पर्धा में दुनिया में दूसरों से पीछे रहें। उ0प्र0 की वर्तमान योगी सरकार का प्राइमरी कक्षा से अंग्रेजी पढ़ाने का निर्णय निश्चय ही सराहनीय है और डॉ0 अम्बेडकर के विचारों की ''वैश्विक सोच और स्थानीय अमल'' सम्बंधी व्यावहारिकता की परिचायक है। प्रख्यात खगोलविद प्रो0 जयप्रकाश चर्तुवेदी, पूर्व–अधिष्ठाता, विज्ञान संकाय दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए प्रो0 चतुर्वेदी ने बताया कि बाबा भीमराव अम्बेकडकर ने 100 साल पहले ही ''प्राब्लम्स ऑफ रूपी'' के बारे में अपने शोधपरक विचार दिये थे, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में उनकी मौलिक सोच की द्योतक है। एन0एस0एस0 के कार्यक्रम समन्वयक डॉ0 उपेन्द्र कुमार सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया और बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर राजकीय स्नातोकत्तर महाविद्यालय सैदाबाद के डॉ0 ए0के0 झा, प्रो0 ओम प्रकाश श्रीवास्तव और अन्य सभी वक्ताओं ने बाबा साहब के विचारों से प्रेरणा लेने और उन्हें जीवन में धारण के लिए विचार रखे जिससे समतामूलक समाज बन सके। विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री धर्मेन्द्र प्रकाश त्रिपाठी ने सभी आगतों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

वित्तीय क्रियाकलाप

श्री धर्मेन्द्र प्रकाश त्रिपाठी
वित्त अधिकारी
इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय
इलाहाबाद

1. वित्तीय वर्ष 2016–17 में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद से सम्बद्ध महाविद्यालयों को राष्ट्रीय सेवा योजनान्तर्गत सामान्य कार्यक्रम एवं विशेष शिविर आयोजन से सम्बन्धित शासन से अनुदान प्राप्त करने हेतु कार्यवाही की गयी। फलस्वरूप प्राप्त अनुदान विश्वविद्यालय खाते में जमा कराया गया।
2. राष्ट्रीय सेवा योजनान्तर्गत प्राप्त अनुदान, सम्बन्धित महाविद्यालयों को, छात्र संख्या के आधार पर नियमानुसार आहरण कर अवमुक्त किया गया।
3. शासन के आदेश दिनांक 12 अप्रैल, 2017 के क्रम में राज्य विश्वविद्यालय में आधारभूत सुविधाओं, प्रदेश के महाविद्यालयों में सेमिनार तथा सिम्पोजियम, इन्टर यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल, अन्तर्विश्वविद्यालयी खेल प्रतियोगिता के आयोजन की स्कीमों का कुल रू. 85.89 लाख का वित्तीय प्रस्ताव तैयार कराकर शासन को प्रेषित किया।
4. इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद हेतु नामित कार्यदायी संस्था उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम के द्वारा प्रेषित पत्र के तथ्यों के आलोक में प्रबन्ध निदेशक यू.पी.एस.आई.डी.सी. लखनऊ को निर्माण कार्य त्वरित गति से पूर्ण करने के सम्बन्ध में अन्य प्रक्रियाओं को शीघ्र पूर्ण कराने की कार्यवाही हेतु पत्राचार किये गये।
5. नवस्थापित इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के कार्यों को सुचारू रूप से सम्पादन करने हेतु शासन को पूर्व प्रेषित किये जा चुके वाहन क्रय सम्बन्धी, कोटेशन प्रस्ताव पर शासन की वित्तीय/प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त करने हेतु शासन से पुनः अनुरोध करने की कार्यवाही सम्पादित की गयी।
6. वित्तीय वर्ष 2016–17 में शासन से प्राप्त अनुदानों का निर्धारित प्रारूप पर उपभोग प्रमाण पत्र शासन को प्रेषित किया गया।
7. उद्गम/स्रोत पर कर की कटौती की कार्यवाही सुनिश्चित कर नियमानुसार देय आयकर कटौती कर अगले कार्य दिवस में केन्द्र सरकार के खाते में जमा कराया गया।
8. ई–टी0डी0एस0 रिटर्न सम्बन्धी त्रैमासिक विवरण फार्म 24Q एवं फार्म 26Q के रूप में दाखिल करने की कार्यवाही की गई।
9. शिक्षणेत्तर एवं शैक्षिक वर्ष के वेतन, आउटसोर्सिंग, अतिथि प्रवक्ताओं का पारिश्रमिक मानदेय नियमानुसार आहरित कर वितरित किया गया।
10. पूर्व परीक्षा सम्बन्धी होने वाले परीक्षा उपरान्त होने वाले व्यय, परीक्षा केन्द्रों से सम्बन्धित व्ययों को परीक्षा नियंत्रक से प्राप्त सूची के अनुसार नियमानुसार आहरित कर अवमुक्त किया गया।
11. विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यों से सम्बन्धित प्राप्त देयकों को वित्त समिति/कार्य परिषद् द्वारा स्वीकृत बजट सीमा के अधीन भुगतान किया गया।
12. वार्षिक परीक्षा, बी0एड0 परीक्षा के अन्तर्गत पाठ्क्रमवार प्राप्त शुल्कों को विश्वविद्यालय खाते में जमा कराया गया।
13. डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से प्राप्त, महाविद्यालयों से प्राप्त सम्बद्धता शुल्क एवं अन्य आय को विश्वविद्यालय खाते में तत्काल जमा कराया गया।
14. योग शिक्षा के प्रचार–प्रसार/संचालन की विश्वविद्यालय में आवश्यकता के दृष्टिगत वेतन संरचना रू. 15600–39000 ग्रेड पे 6000 के 03 पद सृजित कराने की कार्यवाही/शासन को पत्र प्रेषित किया गया।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (National Service Scheme) का शुभारम्भ

युवा सेवा और खेल मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में शासनादेश पत्र संख्या 48/सत्तर/रा0से0यो0को0–20172(1)/2016, दिनांक 02 मार्च, 2017 के अनुसार राष्ट्रीय सेवा योजना की अनुमति हेतु प्रस्ताव दिया गया था, जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना–नियमित तथा विशेष शिविर कार्यक्रमों के आयोजन हेतु निम्नांकित महाविद्यालयों एवं छात्रों की संख्या के लिए धन आवंटित किया गया है:

क्र. सं.	महाविद्यालय का नाम	आवंटित छात्रों/छात्राओं की संख्या	रु. 215 प्रति छात्र/छात्रा की दर से देय धनराशि	कटौती की धनराशि कार्यक्रमाधिकारी का मानदेय+लिपिक+चपरासी	शुद्ध देय धनराशि (रु.)
1.	विजय डिग्री कालेज, सलैया, मेजा, इलाहाबाद	100	21500	7800	13700
2.	नन्द किशोर डिग्री कालेज, धनुहा, चाका, इलाहाबाद	100	21500	7800	13700
3.	जयराजि कवरि बाबा पारस पाल सिंह महाविद्वालय लीलापुर, साहबगंज, प्रतापगढ़	100	21500	7800	13700
4.	उमादेवी महिला महाविद्यालय, करनपुर, खूझी, शीतलगंज, पट्टी, प्रतापगढ़	100	21500	7800	13700
5.	चन्द्रकली महाविद्यालय, मुबारकपुर, फूलपुर, इलाहाबाद	100	21500	7800	13700
6.	महादेव सिंह मेमोरियल डिग्री कालेज, अन्तापुर बलिकरनगंज, प्रतापगढ़	100	21500	7800	13700
7.	धनराज कुँवर गर्ल्स डिग्री कालेज, सराय भूपति कटरा गुलाबसिंह, प्रतापगढ़	100	21500	7800	13700

क्र. सं.	महाविद्यालय का नाम	विशेष शिविर हेतु आवंटित छात्र/छात्राओं की संख्या	रु. 450 प्रति छात्र/छात्रा की दर से देय धनराशि	शुद्ध देय धनराशि (रु.)
1.	विजय डिग्री कालेज, सलैया, मेजा, इलाहाबाद	50	22500	22500
2.	नन्द किशोर डिग्री कालेज, धनुहा, चाका, इलाहाबाद	50	22500	22500
3.	जयराजि कवरि बाबा पारस पाल सिंह महाविद्वालय लीलापुर, साहबगंज, प्रतापगढ़	50	22500	22500
4.	उमादेवी महिला महाविद्यालय, करनपुर, खूझी, शीतलगंज, पट्टी, प्रतापगढ़	50	22500	22500
5.	चन्द्रकली महाविद्यालय, मुबारकपुर, फूलपुर, इलाहाबाद	50	22500	22500
6.	महादेव सिंह मेमोरियल डिग्री कालेज, अन्तापुर बलिकरनगंज, प्रतापगढ़	50	22500	22500
7.	धनराज कुँवर गर्ल्स डिग्री कालेज, सराय भूपति कटरा गुलाबसिंह, प्रतापगढ़	50	22500	22500

एन.एस.एस. के व्यापक उद्देश्यों को निम्नवत् निरूपित किया जा रहा है :

1. उस समुदाय को समझें जिसमें वे काम करते हैं।
2. अपने समुदाय के संबंध में खुद को समझें।
3. समुदाय की जरूरतों और समस्याओं की पहचान करना और उन्हें समस्या में शामिल करना प्रक्रिया को सुलझाना।
4. सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की समझ में खुद को विकसित करना।
5. व्यक्ति और समुदाय के लिए व्यावहारिक समाधान खोजने में अपने ज्ञान का उपयोग करना।
6. समूह के रहने और जिम्मेदारियों को बांटने के लिए आवश्यक योग्यता का विकास।
7. सामुदायिक समभागिता बढ़ाने में कौशल हासिल करना।
8. नेत्तृव गुणों और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण का अधिग्रहण।
9. आपात स्थिति और प्राकृतिक आपदाओं को पूरा करने की क्षमता विकसित करना ।

एनएसएस का क्षेत्र

एनएसएस का प्रतीक भारत के उड़ीसा में स्थित कोणार्क सूर्य मंदिर के विशाल रथ पर आधारित है। यह समय और स्थान के दौरान जीवन में सदैव आन्दोलन एवं परिवर्तन का प्रतीक है। पहिया में आठ तीलियों का अर्थ राष्ट्र की सेवा के लिए 24 घंटों के लिए घड़ी की तरह तैयार रहना। लाल रंग स्वयंसेवक छात्र जीवनपर्यन्त सक्रिय, ऊर्जावान एवं उच्च भावना से भरे रहें और नीला रंग मानव जाति के कल्याण के लिए अपना योगदान देने के लिए हमेशा तैयार रहें।

राष्ट्रीय सेवा योजना (थीम सांग)
इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय
इलाहाबाद

लक्ष्य गीत - राष्ट्रीय सेवा योजना

उठें समाज के लिए उठें–उठें
जगें स्वराष्ट्र के लिए जगें–जगें
स्वयं सजें, वसुन्धरा संवार दें–2

हम उठें उठेगा जग हमारे संग साथियों
हम बढ़ें तो सब बढ़ेंगे अपने आप साथियों
जमीं पे आसमान को उतार दें–2
स्वयं सजें, वसुन्धरा संवार दें–2

उदासियों को दूर कर खुशी को बांटते चलें
गांव और शहर की दूरियों को पाटते चलें
ज्ञान को प्रचार दें प्रसार दें
विज्ञान को प्रचार दें, प्रसार दें
स्वयं सजें, वसुन्धरा संवार दें–2

समर्थ बाल वृद्ध और नारियाँ रहें सदा
हरे–भरे वनों की शाल ओढ़ती रहे धरा
तरक्कियों की एक नयी कतार दें
स्वयं सजें, वसुन्धरा संवार दें–2

ये जाति, धर्म, बोलियाँ बनें न शूल राह की
बढ़ायें बेल प्रेम की, अखण्डता की, चाह की
भावना से ये चमन निखार दें
सद्भावना से ये चमन निखार दें
स्वयं सजें, वसुन्धरा संवार दें–2

उठें समाज के लिए उठें–उठें
जगें स्वराष्ट्र के लिए जगें–जगें
स्वयं सजें, वसुन्धरा संवार दें–2

बी0एड0 प्रवेश परीक्षा सम्पन्न

बी0एड0 की द्वि–वर्षीय प्रवेश परीक्षा की जिम्मेदारी लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय को दी गयी थी। इलाहाबाद के 67 केंद्रों पर परीक्षा दो पालियों में सम्पन्न हुई जिसमें प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 08:00 से 11:00 बजे तक हुई जिसमें 31970 अभ्यर्थी तथा दूसरी पाली में 31949 अभ्यर्थी शामिल हुए। पहली परीक्षा में सामान्य ज्ञान के 50–50 प्रश्न तथा दूसरे भाग में हिन्दी और अंग्रेजी के भाषा के प्रश्न पूछे गये। दूसरी पाली में सामान्य अभिरूचि परीक्षण एवं विशय योग्यता के 50–50 प्रश्न पूछे गये। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार संजय कुमार के मुताबिक परीक्षा सभी केंन्द्र पर शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई।

वार्षिक क्रीड़ा समारोह 2017 सम्पन्न

कुलभास्कर आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, इलाहाबाद में दो दिवसीय वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारम्भ इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के मा0 कुलपति, प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद द्वारा किया गया। कुलपति जी ने कुलभास्कर आश्रम के विद्यार्थियों को खेल–कूद के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभागिता की शुभकामनायें प्रदान की। इस समारोह की अध्यक्षता कर रहे कायस्थ पाठशाला न्यास के अध्यक्ष चौधरी राघवेन्द्र नाथ सिंह ने महाविद्यालय में इनडोर खेल सम्बन्धी सुविधायें बढ़ाने का आश्वासन दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य डा0 ज्योति शंकर जी ने महाविद्यालय की संक्षिप्त प्रगति आख्या बताते हुए समस्त अतिथियों का स्वागत किया। समारोह के उद्घाटन सत्र का संचालन क्रीड़ा प्रतियोगिता के आयोजन सचिव डा0 पवन कुमार पचौरी ने किया। इस अवसर पर कायस्थ पाठशाला न्यास के पदाधिकारी श्री बी0एस0 लाल, श्री प्रदीप कुमार तथा पंकज कुमार एवं महाविद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षिकायें, कर्मचारी तथा छात्र/छात्रायें आदि उपस्थित थे।

इस द्वि–दिवसीय कार्यक्रम में 08 मार्च 2017 को इण्डोर खेल में शतरंज, कैरम, बैडमिण्टन तथा 09 मार्च 2017 को ऑउटडोर खेलों में 100मी0, 200मी0, 1500मी0 तथा 3000मी0 दौड़ एवं जैबलिंग फेंक, गोला फेंक, डिस्कस थ्रो, ऊँची कूद तथा लम्बी कूद आदि प्रतियोगितायें आयोजित की गयी।

पुरुष वर्ग में अरविन्द कुमार, बी0एस0सी0 (कृषि) अष्टम् सेमेस्टर ने चैंपियनशिप प्राप्त किया तथा महिला वर्ग में राहिला बानो, बी0एस0सी0(बॉयो) प्रथम वर्ष ने चैंपियनशिप प्राप्त की, साथ ही अमन कुमार, बी0एस0सी0 (मैथ) द्वितीय वर्ष ने कालेज प्लेयर ऑफ दि ईयर का खिताब प्राप्त किया।

भवन्स मेहता स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भरवारी, कौशाम्बी में द्वि–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध भवन्स मेहता स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भरवारी, कौशाम्बी के संस्कृत विभाग के तत्वावधान में 18–19 मार्च, 2017 को ''संस्कृत वाग्ङमय में पर्यावरण संरक्षण'' विषयक द्वि–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में इस संगोष्ठी को संबोधित किया और अध्यक्षता प्राच्य विद्या मनीषी पं0 रामनरेश त्रिपाठी ने की। बीज–वक्तव्य लखनऊ विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के आचार्य रामसुमेर यादव ने दिया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि संस्कृत साहित्य अगाध ज्ञान व विज्ञान का भंडार है, जिसमें पर्यावरण, प्रकृति और मानव के सहअस्तित्व एवं संयोजन से सम्बंधित चिरकालिक अनुभव समाहित हैं। भारतीय दर्शन में प्रकृति के सभी तत्वों–क्षिति, जल, पावक, गगन और समीर के बीच संतुलन को पर्यावरणीय सुरक्षा और संरक्षा के लिए अपरिहार्य बताया गया है। प्रकृति के साथ छेडछाड़ और संसाधनों के अंधाधुध दोहन से मानव के लिए अनेकानेक संकट उत्पन्न हो गये हैं।

सभी वक्ताओं ने एक स्वर से स्वीकार किया कि समस्त जीवधारियों की आनुवंशिकी तथा पर्यावरण पूर्णतः अन्योन्याश्रित हैं। मानव अपनी भौतिक सुख–सुविधाओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों एवं जैव–विविधता का बेरोकटोक दोहन कर रहा है। अतएव विश्व के अनेक क्षेत्रों में पारिस्थितिक असंतुलन पैदा हो गया, जिसको हम जलवायु परिवर्तन, भूकम्प, बाढ़, सूखा, अतिवृष्टि, सूखा व अकाल आदि रूपों में देख रहे हैं। औद्योगीकरण और मशीनीकरण से वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, जल प्रदूषण, मृदा प्रदूषण आदि तेजी से बढ़ रहे हैं।

ऐसी दशा में पर्यावरण के प्रति 'जन–चेतना' ही भावी पीढ़ी को आसन्न खतरों और चुनौतियों से बचाने का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। 'टिकाऊ विकास' की आवश्यकता को दृश्टिगत रखते हुए व्यक्ति, समाज, सरकार एवं स्थानीय प्रशासन को पर्यावरणीय सुरक्षा एवं संरक्षा के लिए जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों के बचाव और संतुलित उपयोग पर ध्यान देना होगा। इसके आलोक में संस्कृत ग्रन्थों एवं अन्यादि स्थलों पर वर्णित पर्यावरण संरक्षण के उपायों को सबके हित के लिए प्रत्यक्ष रखना बुद्धिजीवियों का कर्तव्य है। इस संगोश्ठी में बड़ी संख्या में दूसरे विश्वविद्यालयों एवं संस्थाओं से आगतों का स्वागत और अभिनंदन महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 रूबी चौधरी द्वारा किया गया।

संशोधित तिथि पर होंगी राज्य विवि की परीक्षाएं

इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की परीक्षाएं संशोधित तिथि के अनुसार होंगी। बीए प्रथम वर्ष के पर्यावरण अध्ययन की जो परीक्षा 27 अप्रैल को प्रस्तावित थी, नवीनतम कार्यक्रम के अंतर्गत अब 05 मई को सुबह 07 से 09 बजे के मध्य होगी। बीएससी, बीकॉम प्रथम वर्ष की 27 अप्रैल को जो परीक्षा प्रस्तावित थी, नवीनतम कार्यक्रम के अंतर्गत अब 05 मई को दोपहर 03 से 05 बजे के मध्य संपन्न होगी। बीए उर्दू प्रथम वर्ष द्वितीय प्रश्न पत्र की परीक्षा संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 6 मई को होगी। बीए प्रथम वर्ष चित्रकला की परीक्षा 08 मई को होगी। इसी प्रकार सभी विषयों की एमए-एमएससी प्रथम वर्ष की परीक्षाएं संशोधित कार्यक्रम के अनुसार 11 मई को, एमएससी कृषि पंचम प्रश्नपत्र 11 मई, बीए प्रथम वर्ष दर्शनशास्त्र द्वितीय प्रश्नपत्र 11 मई एवं बीएससी प्रथम वर्ष तृतीय प्रश्नपत्र 24 मई को होगी।

एएसयू की परीक्षा अब 27 मार्च से

इलाहाबाद। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय (एएसयू) की स्नातक एवं परास्नातक की वार्षिक परीक्षाएं अब 27 मार्च से शुरू होंगी। पूर्व में परीक्षाएं बीस मार्च से शुरू होनी थी। रजिस्ट्रार संजय कुमार ने बताया कि परीक्षा समिति की आपात बैठक में परीक्षा को स्थगित कर 27 मार्च से कराने का फैसला लिया गया। परीक्षा कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आंतरिक सुरक्षा के लिए चेतना जरूरी

जासं, इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विवि और एडवांस रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट ऑफ सोशल साइंस मेरठ की ओर से एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन राज्य विवि में किया गया। भारत की आंतरिक सुरक्षा और चुनौतियां विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी में सुरक्षा विशेषज्ञों ने अपने अपने विचार रखे। जिसमें मुख्य अतिथि लेफ्टीनेंट जनरल बीएस नागल ने राजनैतिक अस्थिरता, नक्सलवाद, अलगाववाद, कुशासन और आतंकवाद को आंतरिक सुरक्षा की प्रमुख चुनौतियां बताया। पुणे से आए रक्षा विशेषज्ञ प्रो. गौतम सेन ने की नोट पेश करते हुए पहचान के संकट को आने वाले दिनों की सबसे बड़ी चुनौती करार दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने की। सेमिनार में प्रो. जीजे रेड्डी, आरसी चड्ढा, एसके सिंह, प्रो. प्रशांत अग्रवाल समेत अनेक लोगों ने अपने अपने विषयों पर शोधपत्र पढ़े। सभी वक्ताओं ने सुशासन और लोकतांत्रिक मजबूती को आंतरिक सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी बताया। इस मौके पर डॉ. संजय कुमार, जितेंद्र कुमार, डॉ. गुलाबचंद, रविंद्र प्रताप सिंह, मोहम्मद समीर आदि मौजूद रहे।

राज्य विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद।

आंतरिक सुरक्षा भारत की बड़ी चुनौती

इलाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय (एएसयू) में रविवार को भारत की आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ एवं सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज नई दिल्ली के निदेशक लेफ्टीनेंट जनरल बीएस नागल ने इसका उद्घाटन किया।

उन्होंने आंतरिक चुनौतियों के अन्तर्गत राजनीतिक अस्थिरता, नक्सलवाद, अलगाववाद, कुशासन और आतंकवाद पर विस्तार से जानकारी दी।

एएसयू में रविवार को आयोजित संगोष्ठी में बोलते कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद।

रक्षा विशेषज्ञ एवं नेशनल सेंटर फार इंटरनेशनल सिक्योरिटी एण्ड डिफेन्स एनालिसिस पुणे के पूर्व-निदेशक प्रो. गौतम सेन ने पहचान के संकट को आने वाले समय में भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बताया। इविवि के प्रो. प्रशांत अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ. धीरेन्द्र द्विवेदी ने सेमिनार के विषय के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर इंडियन ओशन: जियो-स्ट्रेटेजिक सिग्निफिकेन्स नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। अध्यक्षता एएसयू के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने की। कार्यक्रम में प्रो. जीजे रेड्डी, अमित कुमार घोष, आरसी चड्ढा, डॉ. अतहर जाफर, डॉ. संजीव कुमार, डॉ. ध्रुवज्योति भट्टाचार्य आदि उपस्थित थे।

इलाहाबाद राज्य विवि का मूल्यांकन कार्य शुरू

इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में स्नातक कक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य मंगलवार से शुरू हुआ। महिला सेवा सदन महाविद्यालय और विश्वविद्यालय परिसर मूल्यांकन केंद्र में स्नातक कक्षाओं की कापियों का मूल्यांकन कार्य चल रहा है। कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने महिला सेवा सदन में मूल्यांकन कार्य का निरीक्षण किया। महिला सेवा सदन महाविद्यालय में बीए हिंदी की कापियां जांची जा रही हैं और विश्वविद्यालय परिसर के मूल्यांकन केंद्र में बीकॉम की कॉपियां जांची जा रही हैं। 15 अप्रैल से बीए अंग्रेजी, बीए संस्कृत और बीएससी रसायन विज्ञान का मूल्यांकन कार्य शुरू होगा। कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि मूल्यांकन में सुचिता बरती जा रही है।

सभी मूल्यांकन से पहले कापियों की कोडिंग की जा रही है ताकि सेंटर से किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो। बताया कि स्नातक और परास्नातक कक्षाओं का मूल्यांकन अप्रैल के पहले सप्ताह तक पूरा कर लिया जाएगा। परीक्षा परिणाम संभवतः जून के प्रथम सप्ताह में घोषित कर दिया जाएगा।

महिला सेवा सदन डिग्री कालेज में चल रहे राज्य विश्वविद्यालय की परीक्षाओं के मूल्यांकन कार्य का निरीक्षण करते कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद। • जागरण

कुलपति ने सचल दस्तों को किया भंग

चार स्पेशल टीमें करेंगी परीक्षा केंद्रों पर छापेमारी, बेल्हा की टीम में नहीं किया बदलाव

अमर उजाला ब्यूरो

प्रतापगढ़।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने सचल दस्तों को भंग कर चार स्पेशल टीमें गठित की हैं। इन टीमों में नए सदस्यों को जगह दिया गया है। नवगठित सचल दस्ते को नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए कुलपति ने निर्देश दिए हैं। साथ ही नकलची परीक्षा केंद्रों पर विशेष नजर रखने की बात कही है।

विश्वविद्यालय परिसर में रविवार को कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में सभी सचल दस्तों के सदस्यों व संयोजकों की बैठक हुई। इस दौरान परीक्षा केंद्रों पर हो रहे नकल पर नकेल कसने के लिए सचल दस्तों के सदस्यों और संयोजकों से चर्चा की गई। वहीं पूर्व में गठित 10 टीमों का परफार्मेंस अच्छा न होने के कारण उन्हें भंग कर दिया गया है। कुलपति के निर्देश पर चार स्पेशल टीमें गठित की गईं। इन टीमों में नए सदस्यों को शामिल किया गया है। जबकि पुराने सदस्यों को बाहर का रास्ता दिखाया गया। साथ ही नए संयोजकों को टीम का नेतृत्व करने के लिए जिम्मेदारी दी गई है, लेकिन डॉ. अखिलेश पांडेय के संयोजकत्व में बनाए गए सचल दस्ते को यथावत रखा गया है। साथ ही उस टीम के सदस्यों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने डॉ. पांडेय के टीम के परफार्मेंस को देखते हुए उसे भंग नहीं किया है, क्योंकि इसी टीम ने करछना स्थित परीक्षा केंद्र के खिलाफ संस्कृत की परीक्षा के दौरान सामूहिक नकल किए जाने पर कार्रवाई की थी। साथ ही प्रतापगढ़ के कई परीक्षा केंद्रों पर नकल का शक होने पर पूरी परीक्षा अपनी उपस्थिति में कराई थी। वहीं कई परीक्षा केंद्रों से नकलचियों को दबोचा था। जबकि अन्य टीमें ऐसा परफार्मेंस नहीं दे सकी थीं। वहीं सोमवार को डॉ. अखिलेश पांडेय के नेतृत्व में टीम ने कौशांबी के एक परीक्षा केंद्र में सामूहिक नकल करते हुए पाए जाने पर कार्रवाई की। साथ ही दूसरे परीक्षा केंद्र पर शाम की पाली में रसायन विज्ञान की परीक्षा के दौरान पांच नकलचियों को धर दबोचा पर महिला परीक्षार्थी की जगह दूसरी महिला को परीक्षा देते हुए वहीं चायल स्थित एक परीक्षा केंद्र धर दबोचा और उन्हें रेस्टीकेट कर दिया।

> पूर्व की टीमों को भंग कर चार नई टीमें गठित की गई हैं, जो परीक्षा केंद्रों पर छापेमारी कर नकलविहीन परीक्षा संपन्न कराएंगी।
>
> संजय कुमार, कुलसचिव, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय।

कुलपति के आने की खबर से रहा हड़कंप

विश्वविद्यालय प्रशासन ने नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए कमर कस ली है। सोमवार को कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद व कुलसचिव संजय कुमार के आने की खबर पर कई परीक्षा केंद्रों पर हड़कंप मचा रहा, लेकिन कुलपति व कुलसचिव प्रतापगढ़ आने के बजाय इलाहाबाद व कौशांबी के कुछ परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर जांच पड़ताल की, लेकिन उन परीक्षा केंद्रों पर कोई कमियां नहीं पाई गईं। शाम तक सभी केंद्राध्यक्ष कुलपति के आने की जानकारी करते रहे।

दूसरे विषय की परीक्षा देने का बना रहे दबाव

प्रतापगढ़ (ब्यूरो)। महाविद्यालयों की लापरवाही का खामियाजा परीक्षार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की आनलाइन रजिस्ट्रेशन फार्म भरते समय कालेज के कर्मचारियों ने छात्र-छात्राओं के नाम व पते के साथ उनके विषयों को भी गलत अंकित कर दिया था। ऐसे में परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय को कालेज कार्यालय द्वारा मिली जानकारी के आधार पर परीक्षार्थियों का प्रवेश पत्र महाविद्यालयों को उपलब्ध कराया गया है। जिस पर परीक्षार्थियों का नाम के साथ ही उनके विषय गलत लिखे हुए हैं। वह परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर उसमें संशोधन करवा रहे हैं। तमाम परीक्षा केंद्रों ने 30 मार्च तक ही संशोधन करने के लिए कहा था, लेकिन कुछ परीक्षार्थी इस दौरान संशोधन नहीं करवा पाए। आरोप है कि परीक्षा केंद्रों पर शिक्षक व केंद्राध्यक्ष प्रवेश पत्र में संशोधन नहीं कर रहे हैं। साथ ही दूसरे विषय की परीक्षा देने के लिए दबाव बना रहे हैं। उनका कहना है कि शिक्षक का दावा कर रहे हैं कि परीक्षा दे दो पास हो जाओगे। विषय की चिंता मत करो। नाराज परीक्षार्थियों ने बताया कि आनलाइन फार्म भरने के लिए उनसे 100 रुपये वसूली भी की गई थी। इसके बावजूद उनके भविष्य से खिलवाड़ किया गया है। पीड़ितों ने मामले की शिकायत विश्वविद्यालय प्रशासन से करने की बात कही है। मामले में विश्वविद्यालय की उपकुलसचिव दीप्ति मिश्रा ने बताया कि प्रवेश पत्र में संशोधन करना परीक्षा केंद्र की जिम्मेदारी है। परीक्षार्थियों को किसी भी तरह परेशान नहीं करना चाहिए।

राज्य विवि की परीक्षाएं 27 से

इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की सत्रीय परीक्षाओं की तिथि में परिवर्तन किया गया है। पूर्व घोषित 20 मार्च से शुरू होने वाली परीक्षाएं अब नई समय सारिणी के अनुसार 27 मार्च से शुरू होंगी। शुक्रवार को परीक्षा समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। 312 केंद्रों में यह परीक्षाएं सुबह और शाम दो पालियों में संपादित कराए जाएंगी। इसमें स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों के संस्थागत, व्यक्तिगत एवं एकल विषयों के परीक्षार्थी शामिल होंगे। कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने बताया इस बार परीक्षा केंद्र केवल अनुदानित, राजकीय एवं कतिपय स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों को बनाया गया है।

एएसयू की परीक्षा स्थगित

इलाहाबाद। एएसयू से संबद्ध महाविद्यालयों में अध्ययनरत स्नातक प्रथम वर्ष के पर्यावरण अध्ययन (अनिवार्य विषय) के विद्यार्थियों की 23 अप्रैल को होने वाली परीक्षा स्थगित कर दी गई है। रजिस्ट्रार ने बताया कि परीक्षा पॉलीटेक्निक प्रवेश परीक्षा के कारण स्थगित की गई है।

स्थगित की गई परीक्षा

इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी महाविद्यालयों की बीए, बीएससी, बीकॉम प्रथम वर्ष की पर्यावरण अनिवार्य विषय की परीक्षा स्थगित कर दी गई है। यह परीक्षा गुरुवार 27 अप्रैल को होने वाली थी, लेकिन ओएमआर शीट के न पहुंचने से परीक्षा आगे के लिए टाल दी गई है। नई तिथि जल्द ही घोषित की जाएगी।

दो केंद्रों पर सामूहिक नकल, मिले मोबाइल

इलाहाबाद। एएसयू की वार्षिक परीक्षा के दौरान कॉलेजों में नकल की शिकायतें कम नहीं हो रही हैं। शनिवार को निरीक्षण के दौरान फतेहपुर और कौशाम्बी के एक एक परीक्षा केंद्र पर सामूहिक नकल की शिकायत मिली। इन केंद्रों पर काफी संख्या में नकल सामग्री और मोबाइल फोन भी मिले।

पकड़े गए 15 नकलची : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की बुधवार को परास्नातक समाजशास्त्र की परीक्षा हुई। इलाहाबाद, फतेहपुर, प्रतापगढ़ व कौशांबी जिलों में परीक्षा के दौरान 15 नकलची पकड़े गए।

ALLAHABAD STATE UNIVERSITY

MISSION STATEMENT

The prime mission of Allahabad State University is set to provide integrated approaches of local, regional, national and global opportunities for higher learning, research and engagement to the diverse sets of student population. The University intends to offers a full range of degree programmes at the Bachelor, Master, doctoral, post-doctoral and professional levels, coupled with the entire domain and scope of research and other creative activities.

GOALS

Allahabad State University is inclined to provide quality higher education to the younger generation, and intends to emerge as a "world-class" multi-disciplinary global institution encompassing various branches and frontiers of higher learning and research in the entire domain, range and scope of "knowledge power". The University will evolve a student profile comparable with national and global (public and private) institutions of higher education by creating an environment in which students' success in diverse areas can be seen to the optimum level. It will also fulfil the skill developmnent and professional needs of creating a strong regional and state workforce, while emerging as a primary engine of social, economic, and intellectual development in India and abroad in the Age of Globalisation.

The University is also set to embark upon the path of realising its endeavors and accomplishments, coupled with the ability of the students and faculty to build a resource base of highest order.

As its primary goal, the Allahabad Sate University is dedicated to becoming a nationally and globally recognized institution in the 21st century along with the shared universal values of humanity at large. Accordingly, it is bound to utilise its material, human and other resources for:

- Imparting higher education to fulfil the diverse needs of students' community, including foreign students.
- Promoting excellence within the entire domain, range and scope of higher education and professional studies.
- Meeting cultural and other challenges to our nation-building and eventually augmenting the quality of life in the urban and rural areas through teaching, learning, advanced research and multi-dimensional activities.